Scanned by TapScanner

प्याज की खेती के लिए सरकार 8 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से देगी अनुदान राशि

हिसार | प्रदेशा सरकार किसानों को खरीफ प्याज की खेती के लिए 8 हजार रुपए प्रति एकड़ अनुदान राशि देगी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के एक प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत खरीफ प्याज की खेती अपनाने वाले किसानों को जो अनुदान राशि दी जाएगी। वह सीधा उनके बैंक खाता में जाएगी। किसान को अधिकतम 5 एकड़ तक ही इस अनुदान स्कीम का लाभ दिया जाएगा। सरकार की इस स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक किसान को होर्टनेट पोर्टल पर खेती के क्षेत्र को दर्ज करते हुए अपना पंजीकरण करवाना होगा। इसके बाद, सभी संबंधित दस्तावेज अपने जिला के जिंला उद्यान अधिकारी के कार्यालय में जमा करवाने होंगे।

में गांवों में कई लोग प्रभावित हुए। इसलिए सभी गांवों में वैक्सीनेशन प्रोग्राम चलाए जाएंगे। कोरोना महामारी को लेकर लघु सचिवालय स्थित जिला सभागार में बुधवार को विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेयर गौतम सरदाना ने कहा कि सामाजिक संगठनों ने कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान प्रवासी एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था की। इसके साथ-साथ घरों तक ऑक्सीजन के सिलेंडर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पशुओं की बीमारियों पर शोध करेंगे लुवास और केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म के वैज्ञानिक

दोनों संस्थानों के बीच करार, अब फार्म में भी लुवास के छात्र कर सकेंगे शोध

भास्कर न्यूज | हिसार

पशुओं की विभिन्न बीमारियों पर अब लुवास और केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म के वैज्ञानिक मिलकर शोध कार्य कर सकेंगे। दोनों संस्थानों के बीच मध्य शिक्षा एवं शोध को लेकर समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए है। लुवास के छात्र भी शोध कार्य के लिए फार्म का प्रयोग कर सकेंगे। एमओयू पर लुवास की तरफ से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशिका डॉ. निर्मल सांगवान, पशु पोषण विभाग के अध्यक्ष डॉ. सज्जन सिहाग व वेटरनरी पब्लिक हेल्थ के विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश जिंदल एवं केंदीय भेड़ प्रजनन फार्म की तरफ से संयुक्त आयुक्त डॉ. एके मल्होत्रा, डॉ. रून्तु गोगोई ,डॉ. अभिनव चौधरी ने हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशिका डॉ. निर्मल सांगवान ने बताया कि लुवास एवं भारत सरकार के मत्स्य एवं पशुपालन विभाग का केन्द्रीय भेड़ प्रजनन फार्म देश के आर्थिक विकास एवं पशुपालकों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

समझौते के बाद लुवास के शोध छात्र शिक्षा एवं शोध के लिये फार्म की सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे। दोनों तरफ के वैज्ञानिक भी एक दुसरे के यहाँ मिलकर पशुपालकों की समस्याओं के समाधान के लिये शोध कर सकेंगे। इससे दोनों संस्थान राष्ट्र के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकेंगे।

दोनों संस्थानों के पदाधिकारी एमओयू के बाद एक साथ खड़े।

Scanned by TapScanner

कृष्ण कुमार का बाइक, मोबाइल फोन और राशि छीना था। आरोपियों को पुलिस ने अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है। ब्यूरो

लुवास-केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म में हुआ एमओयू

हिसार। लाला लाजपत राय पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय और केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म हिसार के बीच शिक्षा व शोध को लेकर समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशिका डॉ. निर्मल सांगवान ने बताया कि लुवास एवं भारत सरकार के मत्स्य एवं पशुपालन विभाग का केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म देश के आर्थिक विकास एवं पशुपालकों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। समझौते के बाद लुवास के शोधार्थी शिक्षा एवं शोध के लिए फार्म की सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे। दोनों तरफ के वैज्ञानिक भी एक-दूसरे के यहां मिलकर पशुपालकों की समस्याओं के समाधान के लिए शोध करेंगे। एमओयू पर लुवास की तरफ से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशिका डॉ. निर्मल सांगवान एवं केंदीय भेड़ प्रजननफार्म की तरफ से संयुक्त आयुक्त डॉ. एके मल्होत्रा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ. सज्जन सिहाग, डॉ. नरेश जिंदल, डॉ. रून्तु गोगोई, डॉ. अभिनव चौधरी मौजूद रहे। व्यूरो

Scanned by TapScanner

Scanned by TapScanner